नारी शिक्षा निकेतन में अभाविप ने मनाया विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस

लखनऊ(बरेली की आवाज)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लखनऊ पश्चिम द्वारा नारी शिक्षा निकेतन पीजी कॉलेज में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर संगोष्ठी व सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें प्रमुख रुप से नवयुग कन्या पी जी कालेज की प्राचार्य व अभाविप की महानगर अध्यक्ष प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय, पीजीआई की सीनियर रिसर्चर डॉ सजिया अब्बास, ४ की रिसर्च असिटेंट एकता दीक्षित, नारी शिक्षा निकेतन पीजी कालेज की प्राचार्य प्रो. सपना वर्मा जी उपस्थित रहीं। महानगर की अध्यक्ष मंजुला उपाध्याय ने कहा कि विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस' यानी 'वर्ल्ड मेन्सट्रुअल हाइजीन डे' मनाने का उद्देश्य युवा लड़कियों और महिलाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता संबंधी जरूरी जानकारी मुहैया कराना है, जिससे वे अंजाने में किसी जानलेवा बीमारी की चपेट में ना आ जाएं। गांव और शहरों में रहने वाली लाखों महिलाएं आज भी इससे जुड़ी कई जरूरी जानकारियों से अंजान हैं और उन्हें पता भी नहीं कि उनकी थोड़ी सी लापरवाही उन्हें हेपेटाइटिस बी, सर्वाइकल कैंसर, योनी संक्रमण जैसी गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकता है. इसका असर महिलाओं पर शारीरिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी लंबी उम्र तक परेशान कर सकता है। केजीएमयू की रिसर्च असिस्टेंट एकता दीक्षित ने विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के बारे में बताया कि सबसे पहले मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाने की शुरूआत साल 2014 में जर्मनी के वॉश यूनाइटेड नाम के एक एनजीओ ने की थी. हर साल 28 मई को ही ये दिन सेलिब्रेट किया जाता है. दरअसल, इस दिन को चुनने के पीछे भी एक वजह है. आमतौर पर ज्यादातर महिलाओं के पीरियड्स साइकिल 28 दिनों के होते हैं. यही वजह है कि 28 तारीख को ही इस दिन को मनाने के लिए चुना गया। पीजीआई की सीनियर रिसर्चर डा साजिया अब्बास ने छात्राओं को जागरुक रहने व अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया तथा उन्होंने बताया कि महिलाएँ ही सृष्टि को आगे बढाती हैं। अगर स्वास्थ्य विषयों में लापरवाही बरतेंगे तो कम उम्र में ही हम विभिन्न बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। आगे बताते हुए कहा कि दुनियाभर में अभी भी कई ऐसे समाज हैं जहां महिलाएं इस पर खुलकर बात नहीं कर पातीं. ऐसे में पीरियड्स के दौरान किन बातों को ध्यान रखना है या किसी तरह की समस्या का कारण क्या है, साफ- सफाई के सहारे किन बीमारियों से बचा जा सकता है आदि जानकारियां उन्हें कभी मिल ही नहीं पाती. ऐसे में इस दिवस के मौके पर एक माहौल बनाने की कोशिश की जाती है कि लोगों को ये बताया जा सके कि मासिक धर्म कोई अपराध नहीं, बल्कि ये एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है. जिस पर घर और समाज में खुलकर बात करने की जरूरत है, जिससे महिलाओं और बच्चियों को गंभीर और जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सके। कालेज की प्राचार्य प्रो. सपना वर्मा ने आए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया तथा छात्राओं को खुद जागरूक होने व समाज को जागरूक करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में कालेज की एन एस एस समन्वय आकांक्षा वर्मा, डा अंतिमा चौधरी, मे डिविजन सह संयोजक राम बाबू, सचिन त्रिपाठी, निखिल द्विवेदी, गौरी शर्मा व कालेज की छात्राएं व शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाने की शुरुआत साल 2014 में जर्मनी से

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लखनऊ पश्चिम द्वारा नारी शिक्षा निकेतन पीजी कॉलेज में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को संगोष्ठी व सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से नवयुग कन्या पी जी कालेज की प्राचार्य व अभाविप की महानगर अध्यक्ष प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय, पीजीआई की सीनियर रिसर्चर डॉ सजिया अब्बास, केजीएमयू की रिसर्च असिस्टेंट एकता दीक्षित, नारी शिक्षा निकेतन पीजी कालेज की प्राचार्य प्रो सपना वर्मा उपस्थित रहीं। महानगर की अध्यक्ष मंजुला उपाध्याय ने कहा कि विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस यानी वर्ल्ड मेन्सट्रुअल हाइजीन डे मनाने का उद्देश्य युवा लड़कियों और महिलाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता संबंधी ज़रूरी जानकारी मुहैया कराना है, जिससे वे अनजाने में किसी जानलेवा बीमारी की चपेट में ना आ जाएं। गांव और शहरों में रहने वाली लाखों महिलाएं आज भी इससे जुड़ी कई ज़रूरी जानकारियों से अनजान हैं और उन्हें पता भी नहीं कि उनकी थोड़ी सी लापरवाही उन्हें हेपेटाइटिस बी, सर्वाइकल कैंसर, योनी संक्रमण जैसी गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकता है।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर संगोष्ठी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लखनऊ पश्चिम की ओर से सोमवार को नारी शिक्षा निकेतन पीजी कालेज में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर संगोष्ठी व सेनेटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। एबीवीपी की महानगर अध्यक्ष प्रो मंजुला उपाध्याय, पीजीआइ की डा. सजिया अब्बास, केजीएमयू की रिसर्च असिस्टेंट एकता दीक्षित, नारी शिक्षा निकेतन कालेज की प्राचार्य प्रो. सपना उपस्थित रहीं।